हरिभूमि

सागर-चम्बल भूमि फ्रंट पेज

भोपाल, बुधवार 21 अक्टूबर 2026

सागर | खुरई | बांदरी | जरुआखेड़ा | बीना | बंडा | राहतगढ़

04 खाद आवक के बीच कांग्रेस नेत्री के आरोप किसानों की चिंता या ...



05 असत्य पर हुई सत्य की जीत, रावण और मेघनाद के पुतलों का...





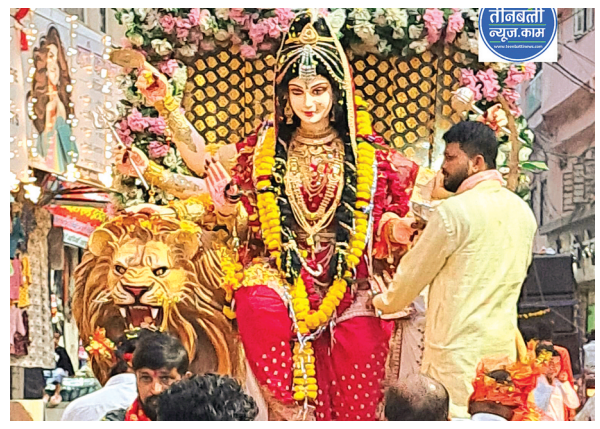





विजयादशमी पर मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने सागर पुलिस लाइन में किया शस्त्र पूजन

वैदिक मंत्रोच्चार के साथ शस्त्र पूजन, शौर्य और कर्तव्यनिष्ठा की परंपरा का हुआ निर्वहन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

विजयादशमी के पावन पर्व पर खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने सागर पुलिस लाइन में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि-विधान से शस्त्र पूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने माँ दुर्गा की आराधना के साथ परम्परागत तलवार से लेकर अत्याधुनिक एके-47 और अन्य अस्त्र-शस्त्रों का वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि-विधान से पूजन किया। इस अवसर पर परंपरागत शौर्य, साहस और राष्ट्रसेवा की भावना के प्रतीक शस्त्र पूजन की परंपरा का निर्वहन किया गया। साथ ही मंत्री श्री राजपूत ने अपने वाहन का विधि-विधान से पूजन किया। इस अवसर पर उपस्थित अन्य अधिकारियों ने भी अपने-अपने वाहनों का पूजन किया। मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि विजयादशमी का पर्व बुराई पर अच्छाई की विजय के साथ शौर्य, साहस और कर्तव्यनिष्ठा का संदेश देता है। भारतीय संस्कृति में शस्त्र पूजन की परंपरा का विशेष महत्व है। उन्होंने कहा कि पुलिस एवं सुरक्षा बल इन्हीं शस्त्रों के माध्यम से आमजन की सुरक्षा, कानून-व्यवस्था बनाए रखने और शांति स्थापित करने का दायित्व निभाते हैं। विजयादशमी पर शस्त्र पूजन हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, पराक्रम और कर्तव्य के प्रति समर्पण का प्रतीक है।

मंत्री राजपूत ने कहा कि विजयादशमी का पर्व शौर्य, साहस और धर्म की स्थापना का प्रतीक है। शस्त्र पूजन की परंपरा हमारी समृद्ध भारतीय संस्कृति और गौरवशाली विरासत का अभिन्न अंग है। शस्त्र अनुशासन, मर्यादा और जनसुरक्षा के प्रति कर्तव्यनिष्ठा का प्रतीक हैं।

इस अवसर पर श्याम तिवारी, कमिश्नर दिलीप कुमार, आईजी इरशाद वली, डीआईजी एस.एस. चौहान, कलेक्टर प्रतिभा पाल, पुलिस सहित पुलिस विभाग एवं अन्य विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

जयकारों के बीच निकला देवी प्रतिमाओं का विसर्जन चल समारोह

ढोल-ताशों की गूंज, अखाड़ों के हैरतअंगेज करतब और गुलाल से सराबोर दिखे युवा, श्रद्धा और उल्लास के साथ मां को दी विदाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

विजयादशमी के अवसर पर मंगलवार को शहर में देवी प्रतिमाओं के विसर्जन का सिलसिला उत्साह, श्रद्धा और उल्लास के साथ चला। दोपहर से ही विभिन्न दुर्गा उत्सव समितियों की प्रतिमाएं आकर्षक वाहनों में सजाकर चल समारोह के रूप में निकाली गईं। मां के जयकारों से शहर के प्रमुख मार्ग गूंजते रहे। जगह-जगह श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी और लोगों ने सड़क किनारे खड़े होकर मां के दर्शन किए। ढोल-ताशों की गूंज के बीच युवाओं ने जमकर गुलाल उड़ाया और भक्ति गीतों पर नृत्य करते हुए चल समारोह में भाग लिया।

विसर्जन चल समारोह में इस बार भी विभिन्न समितियों ने अपनी झांकियों को आकर्षक ढंग से सजाया था। कई स्थानों पर अखाड़ों के कलाकारों ने हैरतअंगेज करतब दिखाकर लोगों का ध्यान आकर्षित किया। तलवारबाजी, लाठी और अन्य पारंपरिक युद्ध कलाओं के प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। युवाओं में विशेष उत्साह नजर आया।

दोपहर से ही शहर के अलग-अलग हिस्सों से देवी प्रतिमाओं को विसर्जन के लिए ले जाने का क्रम शुरू हो गया था। पंडालों में विधि-विधान से पूजन, हवन और आरती के बाद प्रतिमाओं को आकर्षक ढंग से सजे वाहनों में विराजमान किया गया। इसके बाद समितियों के कार्यकर्ता जयकारे लगाते हुए चल समारोह में शामिल हुए। कई स्थानों पर भक्तों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर दशहरा पर्व की शुभकामनाएं दीं।

राधा तिराहा से जामा मस्जिद, तीनबत्ती, कोतवाली, सराफा और बड़ा बाजार सहित प्रमुख मार्गों पर देर तक चहल-पहल रही। सड़क के दोनों ओर बड़ी संख्या में श्रद्धालु मां के दर्शन के लिए खड़े रहे। जैसे-जैसे प्रतिमाएं आगे बढ़ीं, वैसे-वैसे जयकारों और ढोल-ताशों की गूंज बढ़ती गई।

लेहदरा नाका पहुंचीं शहर की प्रतिमाएं

शहर में स्थापित अधिकांश देवी प्रतिमाओं का विसर्जन लेहदरा नाका स्थित बड़ी नदी में किया गया। इसके लिए प्रशासन और पुलिस की ओर से विसर्जन स्थल पर आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थीं। ग्रामीण क्षेत्रों से भी प्रतिमाओं को परंपरागत तरीके से विसर्जन के लिए ले जाया गया। चितोरा, बरमान सहित अन्य विसर्जन स्थलों पर देर रात तक प्रतिमाओं के पहुंचने का सिलसिला चलता रहा।

व्यवस्था संभालने तैनात रहा पुलिस बल

चल समारोह को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए। प्रमुख मार्गों, चौराहों और विसर्जन स्थलों पर पुलिस बल तैनात रहा। भीड़ को नियंत्रित करने के साथ यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए भी पुलिसकर्मी और यातायात अमला मुस्तैद रहा। चल समारोह के दौरान किसी तरह की अप्रिय स्थिति सामने नहीं आई और आयोजन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

अखाड़ों के करतब बने आकर्षण

चल समारोह में शामिल अखाड़ों के कलाकारों ने पारंपरिक युद्ध कला और शौर्य प्रदर्शन किया। लाठी, तलवार सहित विभिन्न करतबों का प्रदर्शन देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग सड़क किनारे जमा रहे। कलाकारों के प्रदर्शन पर दर्शकों ने तालियों के साथ उत्साह बढ़ाया। वहीं ढोल-ताशों की थाप पर युवा थिरकते नजर आए।

रावण दहन के साथ बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश

दशहरा पर्व पर शहर के विभिन्न स्थानों पर रावण के पुतले का दहन भी किया गया। पीटीसी ग्राउंड और मकरोनिया के रजाखेड़ी सहित कई स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। रावण दहन के साथ ही बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया गया। आतिशबाजी और जयकारों के बीच लोगों ने पर्व का उत्साह मनाया।

दशहरा पर्व पर शहर में सुबह से ही उत्सव का माहौल रहा। शाम होते-होते प्रमुख बाजारों और मार्गों पर भीड़ बढ़ गई। मां की विदाई के दौरान श्रद्धालुओं श्रद्धालुओं में जहां उत्साह नजर आया, वहीं विसर्जन के समय भावुक दृश्य भी देखने को मिले। श्रद्धालुओं ने अगले वर्ष फिर से मां के आगमन की कामना के साथ प्रतिमाओं को विदाई दी।

खबर संक्षेप

आचार्य श्री के जन्मदिन पर 3 दिन छूट रहेगी जांचों में

सागर। समाधिस्थ संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर महामुनिराज के अवतरण दिवस (शरद पूर्णिमा) के पावन पर्व पर भाग्योदय तीर्थ चिकित्सालय में एक्सरे,सीटी स्केन, एमआरआई, रेडियोलॉजी, सोनोग्राफी एवं पैथोलॉजी जॉचों पर 25 अक्टूबर से 27 अक्टूबर तक (तीन दिवस) रोगियों को वर्तमान में की जा रही चैरिटी के अतिरिक्त 25 प्रतिशत की और छूट दी जावेगी। भाग्योदय तीर्थ के ट्रस्टी मुकेश जैन ढाना ने बताया कि प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी यह छूट सभी मरीज को दी जा रही है। पिछले वर्ष तीन दिनों में 3000 से अधिक मरीजों को इसका लाभ मिला था।

जिला स्तरीय युवा उत्सव 31 अक्टूबर को

सागर। भारत सरकार एवं संचालनालय खेल और युवा कल्याण, मध्यप्रदेश भोपाल के निर्देशानुसार खेल और युवा कल्याण विभाग, सागर द्वारा जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन 31 अक्टूबर को रविन्द्र भवन सभागार में किया जाएगा। युवा उत्सव में इस वर्ष पेंटिंग, समूह लोकनृत्य, समूह लोकगीत, कविता लेखन एवं नुक्कड़ नाटक सहित कुल पांच विधाओं में प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। समूह लोकनृत्य में केवल हिन्दुस्तानी शैली मान्य होगी। टेप, कैसेट आदि के माध्यम से प्रस्तुति मान्य नहीं की जाएगी। लोकगीत भारतीय गायन पर आधारित तथा क्षेत्रीय भाषा में हो सकते हैं। फिल्मी गीतों का प्रदर्शन मान्य नहीं होगा। युवा उत्सव में भाग लेने के इच्छुक प्रतिभागी खेल और युवा कल्याण विभाग, खेल परिसर, सागर से आवेदन फार्म प्राप्त कर 24 अक्टूबर को शाम 5 बजे तक जमा कर सकते हैं। इसके साथ ही माय भारत पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीयन कराना अनिवार्य है। पोर्टल पर पंजीयन के बिना प्रतिभागी युवा उत्सव में भाग नहीं ले सकेंगे। एक प्रतिभागी केवल एक विधा में ही सहभागिता कर सकता है। प्रतिभागी का जिला सागर का मूल निवासी होना अनिवार्य है। आवेदन के साथ मूल निवास प्रमाण पत्र की छायाप्रति संलग्न करनी होगी। आयु संबंधी शर्तों के अनुसार 15 वर्ष से कम तथा 29 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।



डॉ. अंकित जैन की पहल से हुआ 20 माह के शिवार्थ के हार्ट का निःशुल्क ऑपरेशन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

सागर के रविशंकर वार्ड निवासी 20 माह के शिवार्थ विश्वकर्मा के दिल में जन्मजात छेद की जानकारी बच्चे के जन्म के तुरंत बाद ही लग गई थी। बच्चे के पिता सत्यम विश्वकर्मा करीब डेढ़ साल से बेटे के इलाज के लिए विभिन्न अस्पतालों के चक्कर लगा रहे थे। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण परिवार के लिए बच्चे का उपचार कराना चुनौती बना हुआ था। ऐसे में बाल्य एवं शिशु रोग विशेषज्ञ, बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज, सागर के डॉ. अंकित जैन ने पहल करते हुए परिवार को उचित मार्गदर्शन दिया। उन्होंने उपचार की दिशा में आवश्यक सलाह दी तथा इसके लिए परिवार से किसी प्रकार की परामर्श फीस नहीं ली।

शिवार्थ के पिता सत्यम विश्वकर्मा ने बताया कि बेटे की बीमारी के कारण उनका परिवार लंबे समय से परेशान था। डॉ. अंकित जैन के मार्गदर्शन से उपचार का रास्ता आसान हुआ। उन्होंने इस सहयोग के लिए डॉ. जैन का आभार व्यक्त किया। डॉ. अंकित जैन ने कहा कि गंभीर बीमारियों से जूझ रहे बच्चों के परिजनों को समय पर सही चिकित्सकीय मार्गदर्शन मिलना बेहद जरूरी है, ताकि वे उपलब्ध उपचार सुविधाओं का लाभ उठा सकें।

साहित्यकार अपनी कलम चलाकर देश में चेतना और जन-जागरण का शंखनाद करें : मिश्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

सत्ता और सरकार के मूल चेहरे पर रावण के दस चेहरे विस्तार ले रहे हैं, आखिर यह कैसी राजनीति और तानाशाही हो गई है जहां सत्य, ईमान, धर्म, नीति, आदर्श, सिद्धांत के नैतिक मूल्यों को कुचला जा रहा है, इन सब परिस्थितियों के बीच देश में जन जागरण और चेतना का बिगुल बजाने का दायित्व बेशक हम सभी साहित्यकारों का है यदि हम सभी रचनाकार मूकदर्शक बनकर यह सब देखते रहेंगे तो हमारे साहित्य, समाज के लिए इससे बड़ा महापाप कोई हो नहीं सकता। आओ देश की अखंडता, एकता, प्रेम, सौहार्द के लिए अपनी कलम चलाकर देश में चेतना और जन-जागरण का शंखनाद करें। खरपतवार का विस्तार करने वाली राजनीतिक पार्टियों को उखाड़ फेंकने के लिए काव्यधारा में हम तूफान लाकर के देश में बौद्धिक जागरण लाए तभी हम अपने साहित्यिक योगदान को पूर्ण कर सकेंगे। यह विचार टीकमगढ़ से मुन्नालाल मिश्रा ने रखे, वह बुंदेलखंड हिंदी साहित्य संस्कृति विकास मंच सागर की शनिवार को आयोजित साप्ताहिक 1657 वीं संगोष्ठी और ऑनलाइन 335 वीं संगोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे थे। सागर से अमित मणीकांत चौबे ने संगोष्ठी का संचालन किया। सागर से मणिदेव ठाकुर ने भक्ति-भाव से माँ सरस्वती की वंदना प्रस्तुत की। इसके पूर्व अपने स्वागत भाषण में टीकमगढ़ से दीनदयाल तिवारी बेताल ने स्वागत की परंपरा का निर्वाह करते हुए समस्त साहित्य मनीषियों का स्वागत करते हुए शारदीय नवरात्रि की शुभकामनाएं दी। संगोष्ठी के अंत में रायसेन से श्रीमती चित्रा चतुर्वेदी ने समस्त उपस्थितों का आभार व्यक्त किया।

इस गोष्ठी में काव्य पाठ हेतु रीवा से डॉ बारेलाल जैन लाल, पृथ्वीपुर से संध्या साहू, दमोह से डॉ पुष्पा चिले सागर से साहित्य मनीषीगण पूरन सिंह राजपूत, डॉ सीताराम श्रीवास्तव भावुक, डॉ नलिन निर्मल जैन, अरूण दुबे, नईम माहिर ने काव्यपाठ किया। संगोष्ठी में उपस्थित साहित्य मनीषी व प्रबुद्धजनों में सागर के सम्माननीय साहित्य-मनीषी एल.एन.चौरसिया, वीरेंद्र त्रिपाठी, कृष्णकांत बख्शी, राजेन्द्र चतुर्वेदी . अजय सराफ, उमाकांत मिश्र श्यामलम, योगेश दत्त तिवारी आदि उपस्थित रहे और कवियों का उत्साह वर्धन किया।

छात्रवृत्ति योजना वर्ष 2025-26 हेतु आवेदन आमंत्रित

सागर। राज्य सैनिक बोर्ड द्वारा शैक्षणिक सत्र 2025-26 के अंतर्गत छात्रवृत्ति हेतु जिले में निवासरत पूर्व सैनिकों के आश्रित बच्चों एवं पूर्व सैनिक विधवाओं से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक आवेदक कक्षा 1 से स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम तक के लिए अपना आवेदन 23 नवम्बर तक जिला सैनिक कल्याण कार्यालय, सागर में ऑनलाइन प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। अधिक जानकारी एवं आवेदन प्रक्रिया हेतु जिला सैनिक कल्याण कार्यालय, सागर से संपर्क किया जा सकता है।



क्षत्रिय महासभा ने शस्त्र पूजन किया

सागर। क्षत्रिय महासभा सागर द्वारा विजया दशमी के पावन पर्व पर रूद्राक्ष धाम में अध्यक्ष लखन सिंह, महिला विंग अध्यक्ष प्रीति सिंह राजपूत द्वारा शस्त्र पूजन किया गया। इस अवसर पर क्षत्रिय महासभा के पदाधिकारी नरेन्द्र सिंह (पप्पू मोसिया), राजेन्द्र सिंह बन्नाद, के.के गोरा, जितेंद्र चैहान, राजेश बहेरिया, पुष्पेन्द्र सिंह घौघरा, अजय बहेरिया, राहुल सिंह महुआखेडा, प्रदेश सिंह संदीप सिंह कर्रापुर, मनीष सिंह पटौआ, शुभम सिंह केरवना, सविता ठाकुर, दिव्या ठाकुर, ज्योति चौहान उपस्थित रहे।



अपहरण के छह घंटे में युवक दस्तयाब, मुख्य आरोपी गिरफ्तार

गोपालगंज पुलिस की त्वरित कार्रवाई, घायल अवस्था में मिला युवक, अन्य आरोपियों की तलाश जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

गोपालगंज थाना पुलिस ने युवक के अपहरण और मारपीट के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना के करीब छह घंटे के भीतर अपहृत युवक को दस्तयाब कर मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने युवक को बालाजी मंदिर के पास घायल अवस्था में बरामद किया। मामले में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

पुलिस के अनुसार 19 अक्टूबर को दयानंद वार्ड निवासी शान मुहम्मद पठान ने गोपालगंज थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने बताया कि एक्सीलेंस स्कूल के पास उसकी रेडियम नंबर प्लेट की दुकान है, जहां उसका भांजा शेख अयान भी काम करता है। दोपहर करीब 1.30 बजे अयान के पास समीर का फोन आया और उसे एक्सीलेंस स्कूल गेट के पास बुलाया गया। अयान के पीछे फरियादी भी वहां पहुंच गया। इसी दौरान ग्रे रंग की ईको गाड़ी से आए समीर और उसके साथियों ने अयान को जबरन गाड़ी



में बैठाकर ले जाने का प्रयास किया। रोकने की कोशिश करने पर फरियादी को हाथ की उंगली और जांघ में चोट आई। इसके बाद उसने मोटरसाइकिल से गाड़ी का पीछा किया, लेकिन अयान का पता नहीं चल सका।

पुलिस ने अपराध क्रमांक 508/26, धारा 140(3) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर तत्काल युवक की तलाश शुरू की। पुलिस टीम ने लगातार तलाश करते हुए अयान को बालाजी मंदिर के पास घायल अवस्था में दस्तयाब किया। मेडिकल परीक्षण कराने के बाद उसे परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

तकनीकी साक्ष्यों से आरोपी तक पहुंची पुलिस

घटना की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी गोपालगंज निरीक्षक घनश्याम शर्मा ने विशेष टीम गठित कर आरोपी की तलाश शुरू कराई। टीम ने तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण करने के साथ मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस ने मुख्य आरोपी समीर बोहत पिता जीतेंद्र बोहत (21), निवासी पुरानी काली माता मंदिर, पंतनगर, थाना मोतीनगर, सागर को घटना के करीब छह घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया है। मामले में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सोलंकी के मार्गदर्शन और नगर पुलिस अधीक्षक ललित कश्यप के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी घनश्याम शर्मा के नेतृत्व में कार्रवाई की गई।

लक्षार्चन, भजन के साथ 19 दिन चले 'स्वच्छता से दिव्यता तक अभियान' का हुआ समापन

सागर। श्री सत्य साईं सेवा समिति ने 'स्वच्छता से दिव्यता तक' अभियान के तहत 19 दिन चले स्वच्छता अभियान का मंगलवार को समापन किया। दशहरा पर्व पर सुबह लक्षार्चन और 12 बजे तक विशेष भजन आयोजित किए गए। जिला अध्यक्ष अनिल शर्मा ने स्वच्छता सेवा में तत्पर रहने पर वरिष्ठ सेवादल सदस्य बीके गुरु और करुणा गुरु का सम्मान किया। इसके पहले सिविल लाइन स्थित साई निलयम में प्रातः नगर संकीर्तन निकाला गया जो वरदान होटल, इंदिरा कॉलोनी, सिविल लाइन चौराहा होते हुए साई निलयम लौटा। यहीं पर सफाई के साथ 'स्वच्छता से दिव्यता तक' अभियान का समापन किया गया। समिति सेवा दल प्रभारी डॉ निकिता पिंपलापुरे ओर सुरेश कुमार साहू ने बताया कि अभियान के तहत नगर के पहलवान बब्बा मंदिर, दादा दरबार, परेड मंदिर, शनि मंदिर, लोहिया पार्क, शिवालय बसंत बिहार पार्क, स्टेशन, बाघराज माता मंदिर आदि की सफाई की गई।संयोजक जितेंद्र यादव ने संगठन के सभी सदस्यों का आभार माना जिनकी सहभागिता से स्वच्छता का यज्ञ संपन्न हुआ और आगे भी बढ़-चढ़ कर सेवा कार्य करने का आग्रह किया।

13 दिसंबर को आयोजित होगी 'सागर ऑनर रन'

सागर। सागर में भारतीय सेना के आर्मी डे के अवसर पर 13 दिसंबर को सागर ऑनर रन मैराथन का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट प्रतिभा पाल द्वारा आधिकारिक आदेश जारी कर दिए गए हैं। आयोजन को सुचारू और सफल बनाने के लिए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जगदीश कुमार गोमे को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। जारी आदेश के अनुसार गोमे सभी विभागों के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर व्यवस्थाएं और तैयारियां सुनिश्चित करेंगे। मैराथन की थीम रन फॉर हॉनर... रन फॉर नेशन!' है। मैराथन में 5 किमी के अलावा 10 किमी और 21 किमी की श्रेणियां शामिल होंगी। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवाओं, पूर्व सैनिकों और नागरिकों में देशभक्ति, एकता और फिटनेस को बढ़ावा देना है।

डीएपी की एक रैक पहुंची, दूसरे की तैयारी, कलेक्टर खुद कर रहे निगरानी

खाद आवक के बीच कांग्रेस नेत्री के आरोप किसानों की चिंता या राजनीतिक की कोशिश

हरिभूमि न्यूज ⏭ टीकमगढ़

जिले में रबी फसलों की बोवनी के बीच खाद की उपलब्धता को लेकर सियासी खेल खेलने के प्रयास भी शुरू हो चुके है। एक तरफ जिला प्रशासन किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है, डीएपी की एक रेलवे रैक जिले में पहुंच चुकी है और दूसरी रैक भी जल्द आने की संभावना जताई जा रही है। लेकिन दूसरी ओर कांग्रेस की प्रदेश महासचिव किरण अहिरवार ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर आरोप लगाया है कि पूरे टीकमगढ़ जिले में किसान खाद के लिए भटक रहे हैं, लेकिन कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को किसानों की कोई चिंता नहीं है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब खाद की आपूर्ति बढ़ाने के लिए प्रशासन सक्रिय है और रैक पहुंचने की जानकारी सार्वजनिक है, तो कांग्रेस नेत्री किरण अहिरवार द्वारा खाद को आधार बनाना हकीकत में किसानों की चिंता करना है या ये सिर्फ खाद के नाम पर राजनीतिक किये जाने की कोशिश भर है। क्या यह किसानों की वास्तविक परेशानी को सामने लाने की कोशिश है या खाद के मुद्दे को राजनीतिक बहस का विषय बनाने की कवायद है।



किसानों की चिंता है तो सामने लाएं जमीनी हकीकत

जिले की जनता का कहना है कि प्रशासन के प्रयासों के बीच कांग्रेस नेत्री किरण अहिरवार के आरोपों का मूल्यांकन भी तथ्यों के आधार पर होना चाहिए। कांग्रेस नेत्री किरण अहिरवार ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा है कि भाजपा सरकार का लक्ष्य ही किसानों को परेशान करना है। उन्होंने खाद की समस्या को लेकर कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान पर भी निशाना साधा है। राजनीतिक दलों और नेताओं को सरकार की नीतियों पर सवाल उठाने का अधिकार है, लेकिन किसानों से जुड़े संवेदनशील मुद्दे पर आरोपों के साथ तथ्य सामने आना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। यदि कांग्रेस नेत्री किरण अहिरवार वास्तव में किसानों को हो रही परेशानी को लेकर चिंतित हैं, तो वे उन केंद्रों और क्षेत्रों की जानकारी सार्वजनिक कर सकती हैं, जहां किसानों को खाद नहीं मिल रही है। खाद के लिए परेशान किसानों की वास्तविक स्थिति, वितरण केंद्रों पर उपलब्ध स्टॉक और ऑनलाइन बुकिंग में आ रही कठिनाइयों को सामने लाकर प्रशासन से जवाब मांगा जा सकता है।

एक रैक आ चुकी, दूसरी रैक के प्रयास तेज

कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय की ओर से सामने आई जानकारी के मुताबिक, जिले में डीएपी खाद की एक रैक पहुंच चुकी है और दूसरी रैक भी आने वाली है। खाद की उपलब्धता, भंडारण और वितरण व्यवस्था पर प्रशासन लगातार नजर रख रहा है। इतना ही नहीं, कलेक्टर श्रोत्रिय खुद मार्कफेड कार्यालय पहुंचकर उर्वरक कंपनी और मार्कफेड के अधिकारियों से चर्चा कर चुके हैं। उन्होंने खाद की ऑनलाइन बुकिंग शुरू होने में लगने वाले समय की जानकारी ली और आवश्यक प्रक्रियाओं को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर खुद मैदान में, फिर भी व्यवस्था पर सवाल

कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय ने मंगलवार सुबह मार्कफेड कार्यालय पहुंचकर खाद की उपलब्धता और ऑनलाइन बुकिंग की प्रक्रिया की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से जानकारी भी ली कि रेलवे रैक पहुंचने के बाद खाद को ई-विकास पोर्टल पर उपलब्ध कराने में पांच से छह दिन तक का समय क्यों लग रहा है। प्रशासन के मुताबिक, रेलवे रैक से खाद उतारने के बाद उसे संबंधित गोदामों अथवा सहकारी संस्थाओं तक पहुंचाया जाता है। इसके बाद मार्कफेड के आईएफएसएस पोर्टल पर स्टॉक की प्रविष्टियां दर्ज होती हैं। फिर केंद्र सरकार के पीएफएमएस पोर्टल पर खाद की प्राप्ति और स्टॉक का मिलान कर आवश्यक औपचारिकताएं पूरी की जाती हैं। इन प्रक्रियाओं के पूरा होने के बाद ही खाद ई-विकास पोर्टल पर ऑनलाइन बुकिंग के लिए उपलब्ध हो पाती है। यानी खाद की रैक पहुंचने और किसानों के लिए ऑनलाइन बुकिंग शुरू होने के बीच प्रशासनिक प्रक्रियाएं पूरी की जानी हैं। कलेक्टर श्रोत्रिय ने इन प्रक्रियाओं में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं, ताकि किसानों को अनावश्यक इंतजार न करना पड़े।

राजनीतिक आरोपों से अलग कलेक्टर की किसानों से अपील

कलेक्टर श्रोत्रिय ने किसानों से सुबह 10 बजे से ई-विकास पोर्टल पर खाद की उपलब्धता देखकर बुकिंग करने की अपील की है। उन्होंने जरूरत पड़ने पर व्हाट्सऐप, नजदीकी सीएससी ऑपरेटरों और ग्रामीण युवाओं की सहायता लेने की सलाह भी दी है। साथ ही डीएपी के विकल्प के रूप में टीएसपी और एनपीके उर्वरकों के उपयोग पर विचार करने को कहा है। जिले में डीएपी की एक रैक पहुंचने और दूसरी रैक आने की संभावना के बीच प्रशासन की चुनौती खाद को शीघ्र बुकिंग और वितरण के लिए उपलब्ध कराने की है। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब जिले में खाद की आपूर्ति बढ़ाने के लिए रैक आ रही हैं और कलेक्टर श्रोत्रिय स्वयं व्यवस्था की निगरानी कर रहे हैं, तो कांग्रेस नेत्री के आरोपों का आधार क्या है? क्या वे वास्तव में खाद वितरण की कमियों को उजागर कर किसानों की मदद करना चाहती हैं, या खाद के मुद्दे को राजनीतिक विरोध का आधार बनाया जा रहा है। कांग्रेस नेत्री किरण अहिरवार के आरोपों की विश्वसनीयता इस बात में है कि वे अपनी बात के समर्थन में कितने ठोस तथ्य सामने रखती हैं। क्योंकि किसानों की परेशानी किसी भी राजनीतिक दल के लिए केवल बयानबाजी का मुद्दा नहीं, बल्कि समाधान की जिम्मेदारी होनी चाहिए।

आवक के बीच कांग्रेस नेत्री की पोस्ट पर जनता प्रश्नवाचक मुद्रा में

खाद की उपलब्धता को लेकर जिला प्रशासन की ओर से रेलवे रैक पहुंचने की जानकारी दी गई है। कलेक्टर श्रोत्रिय के अनुसार, एक रैक पहुंच चुकी है और दूसरी रैक जल्द आने की संभावना है। यह स्थिति जिले में खाद की आपूर्ति बढ़ाने की दिशा में उठाए जा रहे कदमों को दर्शाती है। इसके विपरीत कांग्रेस नेत्री किरण अहिरवार ने अपनी पोस्ट में पूरे जिले के किसानों के खाद के लिए भटकने का दावा किया जा रहा है। जिससे जिले की जनता प्रश्न कर रहीं है कि जब खाद की आवक हो रहीं है तो इस बीच इस तरह की पोस्ट का औचित्य क्या है। यहां सवाल कांग्रेस की आलोचना करने या प्रशासन के दावे को बिना जांचे सही मान लेने का नहीं, बल्कि आरोपों के आधार को समझने का है। यदि जिले में खाद की आपूर्ति बढ़ रही है और प्रशासन ऑनलाइन बुकिंग शुरू कराने के लिए प्रयासरत है, तो कांग्रेस नेत्री किरण अहिरवार को यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि जिले के किन क्षेत्रों में किसानों को खाद नहीं मिल रही है, किन केंद्रों पर स्टॉक की कमी है और उनकी परेशानी का वास्तविक कारण क्या है। क्या कांग्रेस नेत्री ने खाद वितरण केंद्रों की स्थिति का जायजा लेकर यह आरोप लगाया है, या फिर खाद की ऑनलाइन बुकिंग में हो रही देरी को ही पूरे जिले में खाद की कमी के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। इन सवालों का जवाब सामने आना जरूरी है, ताकि किसानों की वास्तविक समस्या और राजनीतिक आरोपों के बीच अंतर स्पष्ट हो सके।



नजरबाग मंदिर से गौ ग्रास ई-रिक्शा का शुभारंभ

गौ सम्मान अभियान का तीसरा चरण 31 करोड़ हस्ताक्षर जुटाने का लक्ष्य



हरिभूमि न्यूज ⏭ टीकमगढ़

गौ माता की सुरक्षा, सेवा और सम्मान के उद्देश्य से देशव्यापी गौ सम्मान आवाहन अभियान अब तीसरे चरण में पहुंच गया है। अभियान के तहत देशभर में 31 करोड़ हस्ताक्षर जुटाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसी क्रम में टीकमगढ़ में गौ सेवा को बढ़ावा देने के साथ अभियान को जन-जन तक पहुंचाने की पहल की जा रही है। नजरबाग मंदिर में गौ ग्रास ई-रिक्शा का शुभारंभ किया गया। इस दौरान गौ सम्मान अभियान को लेकर चर्चा हुई और संतों एवं गौ सेवकों ने अधिक से अधिक लोगों से अभियान से जुड़ने का आह्वान किया।

4 दिसंबर को भोपाल में मुख्यमंत्री को सौंपे जाएंगे हस्ताक्षर पत्रक

अभियान से जुड़े आयोजकों के अनुसार, गौ माता और नंदी महाराज की सुरक्षा, सेवा एवं सम्मान के लिए देशभर में साधु-संतों के आह्वान पर यह अभियान चलाया जा रहा है। इसके पहले चरण में देशभर से लगभग पांच करोड़ और दूसरे चरण में करीब 15 करोड़ हस्ताक्षर एकत्रित कर सरकार को सौंपे जाने का दावा किया गया है। आयोजकों का कहना है कि अभियान के निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति नहीं होने के कारण तीसरे चरण में 31 करोड़ हस्ताक्षर जुटाने का लक्ष्य रखा गया है।

नजरबाग मंदिर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान संत श्री चौकी वाले बबलू महाराज ने हस्ताक्षर पत्रक पर हस्ताक्षर कर गौ सम्मान अभियान का आह्वान किया। इस अवसर पर उन्होंने गौ माता की सेवा, सुरक्षा और सम्मान के लिए समाज के सभी वर्गों से आगे आने की अपील की। कार्यक्रम में टीकमगढ़ नगर के गौ सेवक और विभिन्न संगठनों के प्रमुख उपस्थित रहे। गौ ग्रास ई-रिक्शा के शुभारंभ को भी गौ सेवा की दिशा में एक पहल के रूप में देखा जा रहा है।

अभियान के आयोजकों ने बताया कि आगामी 4 दिसंबर को भोपाल में राष्ट्रीय संत एवं मलूक पीठाधीश्वर राजेंद्र दास महाराज के मार्गदर्शन में मध्य प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से एकत्रित हस्ताक्षर पत्रक मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को सौंपे जाएंगे। इसके लिए प्रदेशभर में हस्ताक्षर अभियान को गति देने और अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है। आयोजकों ने जिले के नागरिकों, गौ सेवकों और विभिन्न सामाजिक संगठनों से अभियान के तीसरे चरण में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की है। साथ ही 4 दिसंबर को भोपाल पहुंचकर गौ माता की सेवा, सुरक्षा और सम्मान के उद्देश्य से आयोजित कार्यक्रम में सहभागी बनने का आह्वान किया है। अभियान के माध्यम से आयोजकों का उद्देश्य गौ संरक्षण के मुद्दे पर जनसमर्थन जुटाकर सरकार तक अपनी मांग पहुंचाना है।

कलेक्टर-एसपी ने की सुख-शांति की कामना

विजयादशमी पर पुलिस लाइन में हुआ शस्त्र व वाहन पूजन



हरिभूमि न्यूज ⏭ टीकमगढ़

विजयादशमी के पावन पर्व पर पुलिस लाइन में परंपरानुसार शस्त्र एवं वाहन पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय एवं पुलिस अधीक्षक सुधीर कुमार अग्रवाल ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि-विधान से शस्त्र पूजन किया। इसके बाद हवन संपन्न हुआ तथा पुलिस वाहनों का भी विधिवत पूजन किया गया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने परंपरा का निर्वहन करते हुए शस्त्रों और वाहनों के प्रति सम्मान व्यक्त किया।

कार्यक्रम में कलेक्टर श्रोत्रिय ने जिलेवासियों को विजयादशमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विजयादशमी असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक है। यह पर्व हमें सत्य के मार्ग पर चलते हुए साहस, कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण के साथ समाज की सेवा करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने नागरिकों से आपसी सौहार्द, भाईचारे और शांति के साथ पर्व मनाने की अपील की। पुलिस अधीक्षक सुधीर कुमार अग्रवाल ने कहा कि समाज में शांति, सद्भाव और एकता बनाए रखना सभी की साझा जिम्मेदारी है। नागरिकों का सहयोग और पुलिस के प्रति आपसी विश्वास कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने जिलेवासियों से परस्पर सम्मान एवं सहयोग के साथ त्योहार मनाने का आह्वान किया। विजयादशमी की परंपरा के तहत जिले के समस्त थानों एवं पुलिस चौकियों में भी विधि-विधान से शस्त्र पूजन किया गया। जिला मुख्यालय से लेकर थाना एवं चौकी स्तर तक आयोजित कार्यक्रमों में पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने सहभागिता की। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह कुशवाहा, एसडीओपी सौरभ रत्नाकर, जिला वैज्ञानिक अधिकारी प्रदीप यादव, रक्षित निरीक्षक कनक सिंह आदि रहे मौजूद।



लापता भैंसों को लेकर युवक से मारपीट, तीन पर एफआईआर

टीकमगढ़। जिले के दिगौड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम प्रेमनगर में लापता भैंसों को लेकर हुए विवाद में एक युवक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। युवक की छह भैंसें और एक गाय दो दिन पहले लापता हो गई थीं। सोमवार रात जानकारी मिलने पर वह अपने पशुओं को तलाशते हुए प्रेमनगर पहुंचा, जहां भैंसें और गाय एक बाड़े में बंधी मिलीं। पशुओं को बांधने की वजह पूछने पर विवाद हो गया और युवक के साथ मारपीट कर दी गई। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर तीन आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, दिगौड़ा के घुसियाना मोहल्ला निवासी संदीप घोष (33), पिता चिंतामन घोष ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि दो दिन पहले उसकी छह भैंसें और एक गाय दिगौड़ा तालाब में चरने गई थीं, लेकिन वापस नहीं लौटीं। सोमवार 19 अक्टूबर की रात करीब आठ बजे उसे जानकारी मिली कि उसके पशु प्रेमनगर गांव में हैं। जानकारी मिलने पर संदीप प्रेमनगर पहुंचा, जहां उसकी भैंसें और गाय मनोहर घोष के घर के सामने बने बाड़े में बंधी मिलीं। वहां सुरेश घोष और सतीश घोष भी मौजूद थे। संदीप ने जब अपने पशुओं को बांधने का कारण पूछा, तो आरोपियों ने बताया कि उसके जानवर खेत में नुकसान कर रहे थे, इसलिए उन्हें बांध लिया गया था। पीड़ित के अनुसार, जब उसने अपने पशुओं को वापस छोड़ने के लिए कहा, तो विवाद शुरू हो गया। देखते ही देखते मामला बढ़ गया और उसके साथ मारपीट की गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और बाड़े में बंधी भैंसों तथा गाय को संदीप के सुपुर्द कराया। देर रात पीड़ित की शिकायत पर दिगौड़ा पुलिस ने प्रेमनगर निवासी सुरेश घोष, सतीश घोष और मनोहर घोष के खिलाफ मारपीट के आरोप में एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चौकी वाले महाराज ने पूजन कर किया शुभारंभ, विहिप व बजरंग

अब हर घर पहुंचेगा गौ ग्रास रोटी वाहन, पहली रोटी देने की पहल शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ टीकमगढ़



सनातन संस्कृति की परंपरा पहली रोटी गौमाता के नाम को साकार करने और बेसहारा गौवंश के पोषण एवं संरक्षण के उद्देश्य से टीकमगढ़ नगर में गौ ग्रास रोटी वाहन का शुभारंभ किया गया। पूज्य चौकी वाले महाराज ने विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर वाहन को रवाना किया। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और बजरंग दल के संरक्षण में शुरू की गई इस पहल के मुख्य संचालक प्रखर गौ सेवक आनंद चतुर्वेदी हैं। अभियान के माध्यम से नगर के घर-घर से गौमाता के लिए रोटी और सूखी खाद्य सामग्री एकत्रित करने का प्रयास किया जाएगा।

अभियान का उद्देश्य सनातन परंपरा के तहत घर में बनी पहली रोटी गौमाता को अर्पित करने की भावना को जन-जन तक पहुंचाना है। इसके लिए गौ ग्रास रोटी वाहन प्रतिदिन नगर के विभिन्न क्षेत्रों में घर-घर पहुंचेगा, ताकि लोग आसानी से अपने घर की पहली रोटी गौमाता के लिए दे सकें। इस पहल से नागरिकों को गौसेवा से जोड़ने के साथ बेसहारा गौवंश के लिए भोजन की व्यवस्था करने में भी मदद मिलने की उम्मीद है।

वाहन संचालक आनंद चतुर्वेदी और विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के पदाधिकारियों ने नगर के नागरिकों, सनातनी भाई-बहनों और गौसेवकों से अभियान में सहभागी बनने की अपील की है। उन्होंने आग्रह किया कि वाहन जब उनके द्वार पर पहुंचे, तो गौमाता के लिए रोटी अथवा स्वेच्छा से चोकर, आटा, दाल जैसी सूखी खाद्य सामग्री प्रदान करें, जिससे जरूरतमंद गौवंश के पोषण में सहयोग मिल सके। आयोजकों का कहना है कि गौसेवा के इस अभियान को जनसहयोग से आगे बढ़ाया जाएगा। नागरिकों की छोटी-छोटी सहभागिता भी बेसहारा गौवंश के लिए भोजन जुटाने में उपयोगी साबित हो सकती है। अभियान के माध्यम से टीकमगढ़ में गौसेवा के प्रति जागरूकता बढ़ाने और अधिक से अधिक परिवारों को इस पहल से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

पुरानी रंजिश के चलते आग लगाए जाने की आशंका

भैंसों के टपरे में लगी आग, भैंस का बच्चा व किसान आया चपेट में

हरिभूमि न्यूज ⏭ टीकमगढ़

कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम सुंदरपुर में देर रात भैंसों के टपरे में आग लगने से 70 वर्षीय किसान दयाराम लोधी झुलस गए। आग की चपेट में आने से टपरे में बंधा भैंस का बच्चा भी झुलस गया। पीड़ित ने पुरानी रंजिश के चलते जानबूझकर आग लगाए जाने की आशंका जताई है। हालांकि, आग लगने का वास्तविक कारण अभी स्पष्ट नहीं हुआ है। जानकारी के अनुसार, ग्राम सुंदरपुर में देर रात करीब 4 बजे भैंसों के टपरे में अचानक आग लग गई। आसपास के लोगों ने जब दयाराम लोधी को आग लगने की सूचना दी, तो वह टपरे में बंधे पशुओं को बचाने के लिए मौके पर पहुंचे। इसी दौरान वह आग की चपेट में आकर झुलस गए।



घटना में टपरे में बंधा भैंस का बच्चा भी झुलस गया। परिजनों के अनुसार, दयाराम लोधी का कुछ लोगों के साथ पुराना विवाद चल रहा है। इसी के चलते उन्हें आशंका है कि टपरे में आग जानबूझकर लगाई गई हो सकती है। हालांकि, इस आशंका की पुष्टि करने वाला कोई ठोस तथ्य फिलहाल सामने नहीं आया है। आग दुर्घटनावश लगी या इसके पीछे किसी की भूमिका है, यह जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

विद्वान और बुद्धिमान मानकर रावण की करते हैं आराधना

दशहरे पर रावण दहन नहीं, पूजा करता हैं मारवाड़ी परिवार

हरिभूमि न्यूज ⏭ टीकमगढ़

देशभर में जहां विजयादशमी पर बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक के रूप में रावण का दहन किया जाता है, वहीं टीकमगढ़ में एक मारवाड़ी परिवार ऐसा भी है, जो दशहरे पर रावण दहन करने के बजाय उसकी पूजा-अर्चना करता है। परिवार में वर्षों से चली आ रही यह अनूठी परंपरा आज भी पूरी श्रद्धा और विश्वास के साथ निभाई जा रही है। दशहरे पर रावण दहन के बीच इस परिवार की परंपरा लोगों के बीच चर्चा और आकर्षण का विषय बनी हुई है।

विधि विधान से की जाती है रावण की पूजा

टीकमगढ़ निवासी दीपक अग्रवाल के परिवार में हर साल विजयादशमी के दिन शाम करीब सात बजे रावण की विधि-विधान से पूजा की जाती है। इस दौरान परिवार के सदस्य एकत्रित होकर पूजा-अर्चना करते हैं और क्षेत्र में सुख-समृद्धि, खुशहाली तथा शांति की कामना करते हैं। जहां दशहरे पर जगह-जगह रावण के पुतलों का दहन कर पर्व मनाया जाता है, वहीं यह परिवार रावण की पूजा कर अपनी पारिवारिक परंपरा का निर्वहन करता है। परिवार का कहना है कि यह परंपरा वर्षों से निभाई जा रहीं है। जिसका पालन पीढ़ी दर पीढ़ी किया जा रहा है।





रावण को मानते हैं विद्वान

परिवार के सदस्य दीपक अग्रवाल ने बताया कि उनके यहां लंबे समय से दशहरे पर रावण की पूजा करने की परंपरा चली आ रही है। परिवार के लोग इस परंपरा को पूरी श्रद्धा के साथ निभाते हैं। उनका मानना है कि रावण को केवल बुराई के प्रतीक के रूप में ही नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि वह अत्यंत विद्वान और बुद्धिमान भी था। इसी मान्यता के चलते उनका परिवार दशहरे पर रावण का दहन करने के बजाय उसकी पूजा-अर्चना करता है।

जिले में मारवाड़ी परिवार की परंपरा बनी चर्चा का विषय

विजयादशमी का पर्व भगवान श्रीराम की ओर से रावण पर विजय और अधर्म पर धर्म की जीत के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर देशभर में रावण दहन की परंपरा प्रचलित है। हालांकि, टीकमगढ़ के इस मारवाड़ी परिवार की मान्यता और पूजा की परंपरा इसे अलग पहचान देती है। दशहरे पर रावण की पूजा करने की यह पारिवारिक परंपरा लोगों के लिए कौतूहल का विषय बनी हुई है। परिवार अपनी मान्यता के अनुरूप वर्षों से इस परंपरा का पालन करता आ रहा है। यह परंपरा विजयादशमी के अवसर पर रावण के व्यक्तित्व और उसके विद्वत्ता पक्ष को लेकर एक अलग दृष्टिकोण भी सामने लाती है।

शहर सहित जिलेभर में धूमधाम से मना विजयादशमी का पर्व

असत्य पर हुई सत्य की जीत, रावण और मेघनाद के पुतलों का किया दहन

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक विजयादशमीं का पर्व मंगलवार को जिलेभर में हर्षोल्लास मनाया गया। इस अवसर पर जिला मुख्यालय पर आयोजित हुए मुख्य समारोह में रावण और मेघनाद के विशालकाय पुतलों का दहन हुआ। वहीं कराहल, बडौदा और विजयपुर में भी रावण दहन का कार्यक्रम आयोजित हुआ। रावण दहन को देखने के लिए बडी संख्या में जन समुदाय उमडा।

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी विजया दशमीं उत्सव समारोह की शुरूआत शाम करीब 04 बजे टोड़ी गणेश बाजार स्थित श्रीलक्ष्मीनारायण मंदिर से भगवान श्रीराम के चल समारोह के साथ हुई। भगवान श्रीराम के चल समारोह के आगे कलाकार अखाड़ेबाजी के करतब दिखाते चल रहे थे। चल समारोह का मुख्य आकर्षण भगवान श्रीराम और दशानंद की सेना के बीच युद्ध का नाटकीय प्रदर्शन रहा। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी एक वाहन में दशानंद की सेना के रुप में रावण के साथ मेघनाथ और दूसरे किरदार श्रीराम की सेना पर बाणवर्षा कर रहे थे। वहीं भगवान श्रीराम अपने साथ लक्ष्मण और हनुमान के साथ दूसरे वाहन में विराजित थे जो शत्रुओं के बाणों का जवाब तीर चलाकर दे रहे थे। चल समारोह के दौरान इस बार झांकिया खासा आकर्शण का केन्द्र रही। चल समारोह मैन बाजार होता हुआ श्रीरामतलाई पहुंचा। यहां पर महाआरती के बाद 15 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया गया। याद रहे कि, इस स्थान पर लगभग 150 वर्ष से रावण दहन होता चला आ रहा है। श्री रामतलाई हनुमान मंदिर के बाद यह चल समारोह मेला मैदान में पहुंचकर भगवान श्रीराम और रावण की सेना के बीच नाटकीय युद्ध में तब्दील हो गया। इस युद्ध के दौरान भगवान श्रीराम ने रावण की नाभी में तीर मारकर उसका अंत किया। इसके बाद आतिशबाजी का दौर शुरू हुआ। विभिन्न प्रकार की आतिशबाजियों का प्रदर्शन किया गया। बाद में बुराई के प्रतीक के रूप में खड़े 52 फीट ऊंचे रावण और 45 फीट ऊंचे मेघनाद के पुतले का दहन किया गया।

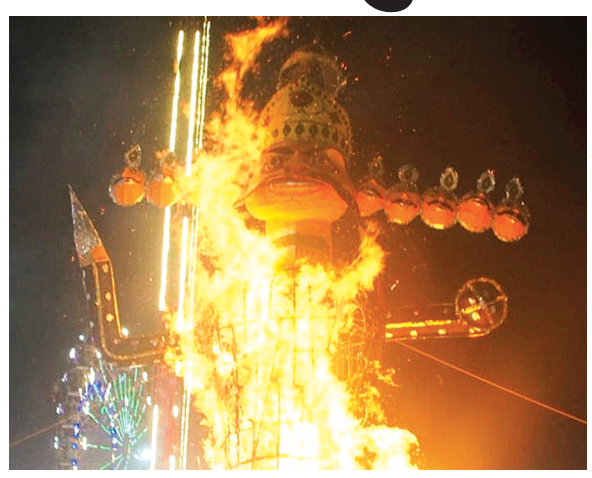





बड़ौदा में 40 और कराहल में 41 फीट का जला रावण

विजया दशमी अवसर पर जिलेभर में रावण और मेघनाथ के पुतलों का दहन किया गया। जिला मुख्यालय के बाद सबसे बड़ा आयोजन बड़ौदा कृषि उपज मंडी प्रांगण में 40 फीट उंचे रावण और 25 फीट ऊंचे मेघनाद के पुतले का दहन किया गया। कराहल में 41 फीट के रावण के पुतले का दहन किया गया। वहीं वीरपुर, मानपुर, ढोढर, सोंईकलां, रघुनाथपुर, ओछापुरा, श्यामपुर सहित विभिन्न गांवों में दशहरा का पर्व उल्लास के साथ मनाया गया।

आज राज्याभिषेक के साथ होगा रामलीला का समापन

श्री रामतलाई हनुमान मंदिर परिसर में आयोजित श्रीरामलीला महोत्सव का समापन 21 अक्टूबर को राज्याभिषेक की लीला के मंचन के साथ किया जाएगा। इस महोत्सव के तहत मंगलवार को रावण का वध किए जाने के बाद भगवान श्रीराम के अयोध्या लौटने और अयोध्या में भगवान श्री राम के राज्यभिषेक की लीला का मंचन बुधवार को किया जाएगा और इसके साथही रामलीला का समापन किया जाएगा।

चल समारोह के साथ विसर्जन के लिए ले जाई गईं देवी प्रतिमाएं

नम आंखों से दी महामाई को विदाई दो स्थानों पर हुआ प्रतिमा का विसर्जन

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

शारदीय नवरात्रि के दौरान शहर श्योपुर में जगह जगह विराजित की गई माता प्रतिमाओं का विसर्जन मंगलवार को सीप नदी में कर भक्तों ने मां को नम आंखां से विदाई दी। हालांकि प्रशासन ने पंडित घाट पर प्रतिमाओं को विसर्जन के लिए विशेष कुंड बनाया था लेकिन भक्तों ने कुंड के बजाय सीप नदी बंजारा डैम पर ही प्रतिमा विसर्जन करने में अधिक रूचि दिखाई जिसके चलते पुलिस को अधिक मुस्तेदी से नदी में भी सुरक्षा व्यवस्था करनी पड़ी।

शारदीय नवरात्रा के दौरान शहर में जगह जगह विराजित की गई माताओं की प्रतिमाओं का मंगलवार को सीप नदी में विसर्जित कर दिया। विसर्जन से पहले महामाई को विदाई देने के लिए भक्तों ने धूमधाम से चल समारोह निकाला। जिला मुख्यालय के अलावा बड़ौदा, सोंईकलां, कराहल सहित जिले के विभिन्न हिस्सों में माता की प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। नदी तट पर पहुंचने से पहले प्रतिमाओं को बैंडबाजों की धार्मिक धुन के बीच बाजार में विदाई समारोह पूर्वक दी गई। विभिन्न मंडलों द्वारा बनाए गए पंडाल में स्थापित की गई प्रतिमाओं को भी समारोह पूर्वक निकाला जिसमें युवाओं ने जमकर डांस भी किया। शहर में 2 दर्जन से अधिक स्थानों पर माता के दरबार सजाए गए थे जहां से प्रतिमाओं को वाहनों में सजा-संवारकर निकाला गया। बाजार में जगह-जगह प्रतिमाओं का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। पंडित घाट के अलावा बंजारा डैम पर भी प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया।



ससम्मान हुआ कुंड में प्रतिमाओं का विसर्जन

प्रदूषण बोर्ड की सिफारिश के बाद नगर पालिका ने माता प्रतिमा विसर्जन के लिए पंडित घाट नदी किनारे विशेष कुंड बनाकर तैयार किया था। हालांकि कई प्रतिमाओं को नपा द्वारा तैयार किए गए विशेष कुंड में लाकर विसर्जित किया गया जिन्हें नगर पालिका कर्मचारियों ने ससम्मान विसर्जित कराया लेकिन अधिकतर प्रतिमाएं इस कुंड में विसर्जन के लिए आने के बजाय बंजारा डैम पर ले गए जहां पर भी माता प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया।

कलेक्टर-एसपी व अन्य जनप्रतिनिधि हुए पूजन में शामिल

पुलिस लाइन में हुआ शस्त्र पूजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

दशहरा पर्व का सनातन धर्म में धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व है, दशहरा के पावन पर्व पर शक्ति और सुरक्षा का प्रतीक माना जाने वाले शस्त्र पूजन पर पुलिस लाइन श्योपुर में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ शस्त्रों की पूजा संपन्न हुई।

कलेक्टर शीला दाहिमा, पुलिस अधीक्षक मोतीउर रहमान, भाजपा जिला अध्यक्ष शशांक भूषण, पूर्व विधायक दुर्गालाल विजय, भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य महावीर सिंह सिसौदिया, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष सुरेन्द्र जाट, एडिशनल एसपी प्रवीण भूरिया, एडीएम रूपेश उपाध्याय, एसडीओपी आनंद राय, आरआई अखिलेश शर्मा, की उपस्थिति में विधि विधान से शस्त्रपूजन संपन्न कराया गया। सभी उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारी, कर्मचारियों द्वारा पूजन में भाग लेते हुए हवन में आहुति दी गई तथा आरती की गई।





जेल में हुआ शस्त्र पूजन

श्योपुर। दशहरा पर्व के अवसर पर जिला जेल श्योपुर में विधि विधान से शस्त्रपूजन संपन्न हुआ। जेल अधीक्षक प्रभात कुमार द्वारा जेल स्टॉफ के साथ जेल में स्थित शस्त्रागार में शस्त्रपूजन किया गया।

श्योपुर और बडौदा में निकले पथ संचलन

सुपथ की ओर बढ़ाए कदम, लोगों में जगाया देशभक्ति का भाव

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

विजयादशमी पर्व के उपलक्ष्य में मंगलवार को शहर श्योपुर और बडौदा में पथ संचलन निकाले गए। घोष की थाप पर निकले पथ संचलन के दौरान स्वयंसेवको ने सुपथ की ओर कदम बढाते हुए लोगो में देश भक्ति का भाव जगाया। पथ संचलन जगह जगह स्वागत किया गया।

शहर श्योपुर में मंगलवार को हनुमान बस्ती का पथ संचलन निकाला गया। इसीक्रम हनुमान बस्ती के स्वयंसेवको का एकत्रीकरण कृष्णा पैलेस में हुआ। कार्यक्रम के दौरान पहले शस्त्र पूजन हुआ। इसके बाद आयोजित बौद्धिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता सह जिला कार्यवाह सत्यनारायण शिवहरे ने कहा कि राष्ट्रहित से जुड़े मुद्दों पर जाति और सामाजिक विभाजन से ऊपर उठकर देश की एकता और अखंडता को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होने हिंदू समाज के लोगो से संगठित होने का आहवान किया। इसके बाद यहां से पथ संचलन शुरू हुआ, जो इस बस्ती के प्रमुख मार्गो से होकर वापस कृष्णा पैलेस में पहुंचकर सम्पन्न हुआ। वहीं बडौदा में भी संघ पथ संचलन निकाला गया। इसके बाद मंडी प्रांगण में स्वयंसेवको का एकत्रीकरण हुआ। यहां जिला प्रचारक अभिजीत मिश्रा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे। बौद्धिक कार्यक्रम के पथ संचलन आरंभ हुआ,यह पथ संचलन बडौदा नगर के प्रुमख मार्गो से होता हुआ वापस मंडी प्रांगण में पहुंचकर सम्पनन हुआ।



चोरी की घटना ट्रेस करने के लिए पीड़ित ने दिया 30 वीं बार आवेदन

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

चोरी की घटना के बाद चोरों का पता न लगना या चोरी ट्रेस न करना और चोरी ट्रेस करने के लिए आला अधिकारियों से गुहार लगाना भी श्योपुर जिले में आम बात है। लेकिन चोरी ट्रेस करने के लिए गुहार लगाने के लिए दो चार बार नहीं दर्जनों आवेदन लगा देना भी कम आश्चर्य जनक नहीं है। ऐसा ही मामला ग्राम जावदेश्वर के बंटी मीणा का सामने आया है। जिसका दावा है कि उसने मंगलवार को 30वीं बार अपने घर में हुई चोरी को ट्रेस करने के लिए आवेदन दिया है। सोशल मीडिया पर डाली गई पोस्ट में बंटी मीणा ने बताया कि उसके घर में 21-9-2022 को चोरी हो गई थी चोर संदूक का ताला तोड़कर कीमती सामान जेवर चोरी कर ले गए थे। तब से वह थाना मानपुर में आवेदन देने के बाद लगातार अधिकारियों के दफ्तर पहुंचकर चोरो को पकड़ने के लिए कलेक्टर एसपी को आवेदन दे रहा है। बंटी का दावा है कि उसने मंगलवार को 30 वीं बार आवेदन दिया है।

खिरखिरी में जनसंवाद कार्यक्रम 23 को

श्योपुर। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान अंतर्गत 23 अक्टूबर को कराहल विकासखंड के ग्राम खिरखिरी में जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। कलेक्टर शीला दाहिमा की अध्यक्षता में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम से पूर्व पूर्व अधिकारियों द्वारा कलस्टर क्षेत्र के ग्रामों में शासकीय संस्थाओं एवं परिसंपत्तियों का निरीक्षण किया जाएगा। जनसंवाद कार्यक्रम में ग्राम पंचायत खिरखिरी सहित मेहरवानी, चकरामपुरा, निमानिया, बाढ, करियादेह एवं लुहारी शामिल रहेंगे। इस अभियान के दौरान क्षेत्र भ्रमण, निरीक्षण एवं जनसंवाद के माध्यम से आम लोगों की शिकायतों का निराकरण किया जाएगा।

सात माह से नहीं मिला वेतन! संविदाकर्मी कैसे मना पाएंगे त्यौहार

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन एवं स्वच्छ भारत मिशन में पदस्थ संविदा कर्मियों को विगत 7 माह से वेतन का भुगतान नहीं हुआ है जिसकारण इन संविदाकर्मियों के परिवार को गंभीर आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। संविदाकर्मियों का कहना है कि हम सभी कर्मचारी अपना काम पूरी ईमानदारी से करते हुए शासन की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य भी बखूबी कर रहे हैं। लेकिन इसके बाद भी विभाग वेतन देने में कितनी लापरवाही बरत रहा है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि दीपावली जैसा बड़ा त्यौहार नजदीक आता जा रहा है, लेकिन वेतन अभी तक भी नहीं दिया गया है। जिसकारण संविदाकर्मियों के परिवार के लोगों को यह चिंता सता रही है कि दीपावली के पहले वेतन नहीं मिला तो दीपावली का त्यौहार कैसे मना पाएंगे।

जिन हलकों में पटवारी बदले जा चुके हैं वहां पकड़ में आ रही गड़बड़ियां

स्वामित्व योजना में राजस्थान तक के लोग पा गए जमीनों के स्वामी होने का अधिकार!

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

पटवारियों की ना नुकर के बाद दोबारा शुरू हुई स्वामित्व योजना के तहत रजिस्ट्रीकरण कार्य तो शुरू हो गया है लेकिन रजिस्ट्री कराने के दौरान बड़ी संख्या में गड़बड़ियां भी सामने आने लगी हैं। ऐसे ऐसे लोगों के नाम स्वामित्व योजना में जोड़े जा चुके हैं जिनके नाम गांव की मतदाता सूची में भी नहीं हैं। ऐसे गलत नाम वहां अधिक पकड़े जा रहे हैं जिन हल्कों में हाल ही में पटवारी बदले गए हैं। पूर्व पटवारी द्वारा की गई गलती का खामियाजा वर्तमान पटवारी भुगताना नहीं चाहते हैं इसलिए वह ऐसे नामो की रजिस्ट्री कराने से मना कर रहे हैं जिनके नाम गांव की मतदाता सूची तक में नहीं हैं। हालांकि शिकायत नहीं आने से मामला सिर्फ रजिस्ट्री नहीं करने तक सीमित है लेकिन अगर जांच हुई तो इस मामले में भारी फर्जीवाड़ा भी सामने आ सकता है।

मानपुर तहसील में दर्जन भर से अधिक स्वामित्व योजना के तहत प्रॉपर्टी धारको गलत नाम जोड़े जाने की शिकायत मानपुर तहसीलदार को पहुंची है। इस शिकायत के बाद रजिस्ट्रीकरण के काम में शिथिलता आ गई है वर्तमान पटवारी फूंक फूंककर कदम उठा रहे हैं। ज्ञात हो कि इस मामले में श्योपुर जिले के 11 पटवारी हड़ताल अवधि में कलेक्टर पहले ही निलंबित कर चुके हैं और पूरे प्रदेश में बड़े स्तर पर कार्रवाई हुई थी। पटवारियों की एकजुटता से सरकार को पटवारियों के आगे झुकना पड़ा था और पटवारियों ने अपनी शर्त पर काम करने की स्वीकृति दी थी लेकिन काम किया जा रहा हैं पर इस काम में अब लापरवाही हुई तो शासन प्रशासन पटवारियों को लपेटने में कोताही भी नहीं बरतेगा यही कारण है कि ऐसे हल्के जहां पटवारी बदल चुके हैं वहां गड़बड़ियां पकड़ी जा रही हैं। मानपुर जिन प्रॉपर्टी दाताओं की शिकायत हुई है उनमें एक नाम तो हिंडौन (राजस्थान) में रहने वाले का है जो रामेश्वर का मेला करने मानपुर आया बताया जा रहा है और यही रुककर कुछ महीने चूड़ी बेचने का व्यवसाय करने लगा और वापस अपने गांव चला गया लेकिन स्वामित्व योजना में उसका नाम कैसे जुड़ गया यह भी विचारणीय प्रश्न है।



कलेक्टर ने किया रजिस्ट्री कार्य का अवलोकन

कलेक्टर शीला दाहिमा द्वारा मंगलवार को ग्राम रायपुरा में शासन के निर्देशानुसार मध्यप्रदेश स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन योजना के तहत हितग्राहियों की निशुल्क रजिस्ट्री करने के कार्य का अवलोकन किया गया। इस अवसर पर एसडीएम गगन सिंह मीणा, तहसीलदार दीपेश धाकड भी मौजूद रहें। रायपुरा पहुंची कलेक्टर ने उक्त योजना के तहत हितग्राही शंभूदयाल जंगम को रजिस्ट्री दस्तावेज प्रदान किये गये। इसके साथ ही रजिस्ट्री के लिए मौजूद हितग्राही मांगीबाई माहौर तथा ओमप्रकाश बैरवा से चर्चा की। हितग्राही शंभूदयाल जंगम ने बताया कि स्वामित्व योजना के तहत उन्हें आबादी भूमि में स्थित उनके मकान की रजिस्ट्री प्राप्त हुई है, इसके अंतर्गत 31 हजार 200 रूपये का स्टॉप पंजीयन का लाभ तात्कालीक रूप से प्राप्त हुआ है। स्टॉप शुल्क की उक्त राशि सरकार द्वारा वहन की जायेगी, इसके साथ ही संपत्ति की रजिस्ट्री होने से अब उन्हें इस संपत्ति के आधार पर बैंक लोन आदि प्राप्त हो सकेंगे और रजिस्ट्री होने से मकान का मालिकाना हक भी प्राप्त हो गया है। कलेक्टर द्वारा स्वामित्व योजना अंतर्गत किये जा रहे रजिस्ट्री के कार्य की मौके पर समीक्षा के दौरान एसडीएम गगन सिंह मीणा ने बताया कि उक्त पटवारी के अंतर्गत अभी तक 54 लोगों की रजिस्ट्री कर दी गई है तथा 11 रजिस्ट्री प्रक्रिया में है, पटवारियों द्वारा प्रतिदिन गांव में पहुंचकर रजिस्ट्री करने का कार्य ऑनलाइन माध्यम से किया जा रहा है।

इनका कहना है...

तहसीलदार के निर्देशानुसार सभी प्रॉपर्टी की जांच के बाद ही रजिस्ट्री कराई जा रही है। जिस हिण्डोन निवासी की शिकायत की गई है उसकी रजिस्ट्री रोक दी गई है। अगर वह राजस्थान का निवासी है तो समग्र आईडी उसके पास कैसे आई इसकी भी जांच की जाएगी। जो पात्रता में आएगा उसकी ही रजिस्ट्री कराई जाएगी, बोगस प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री नहीं की जाएगी।

विवेक बंसल
हल्का पटवारी मानपुर

मैंने दर्जन भर से अधिक नाम तहसीलदार को दिए है जिनकी प्रॉपर्टी स्वामित्व योजना के तहत गलत चिन्हित करी गई है। पटवारी ने पैसे लेकर गलत नाम चढ़ाए हैं। तहसीलदार ने मेरी शिकायत को संज्ञान में लेकर जांच करने के निर्देश दिए हैं। जरूरत पड़ी तो इस मामले में कलेक्टर से भी शिकायत करूंगा।

श्रीकांत सोनी
शिकायतकर्ता मानपुर

अटल वयो अभ्युदय योजना अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

कलेक्टर शीला दाहिमा के मार्गदर्शन में सामाजिक न्याय विभाग द्वारा प्रेरणा वृद्धाश्रम श्योपुर में अटल वयो अभ्युदय योजना अंतर्गत वरिष्ठ जनों के कल्याण एवं उनके अधिकारों के संरक्षण तथा वरिष्ठ जनों के प्रति सकारात्मक एवं संवेदनशील दृष्टिकोण विकसित करने हेतु कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ नागरिकों को माता-पिता भरण पोषण अधिनियम 2007 की जानकारी प्रदान की गई एवं उनके अधिकारों के संबंध में अवगत कराया गया। कार्यक्रम में सामाजिक न्याय विभाग से प्रभारी उपसंचालक सौरभ राय, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष संजय मंगल, समाजसेवी मुकेश हिरनीखेड़ा गायत्री परिवार के प्रबंध ट्रस्टी आदित्य चौहान, वृद्धाश्रम के संचालक धर्मेंद्र शर्मा, मनोज वैष्णव, सामाजिक सुरक्षा अधिकारी ओमवीर रघुवंशी आदि उपस्थित रहे।



अयोध्या-काशी यात्रा के लिए आवेदन 21 तक

श्योपुर। धार्मिक न्यास और धर्मस्व विभाग के अंतर्गत मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत श्योपुर जिले को अयोध्या-काशी (वाराणसी) तीर्थ स्थान की यात्रा के लिए 262 यात्रियों का कोटा प्राप्त हुआ है। यह तीर्थ यात्रा 31 अक्टूबर से 05 नवंबर तक आयोजित होगी। इस यात्रा में शामिल होने के लिए 21 अक्टूबर तक आवेदन किये जा सकते हैं। कलेक्टर शीला दाहिमा के निर्देशानुसार नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्र के सभी आवेदन संबंधित तहसीलों में प्राप्त किये जा रहे है। यात्रा 31 अक्टूबर को शिवपुरी रेलवे स्टेशन से रवाना होगी, इसके लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 21 अक्टूबर निर्धारित की गई है। मध्यप्रदेश के ऐसे वरिष्ठ नागरिक जिनकी आयु 60 वर्ष या इससे अधिक है, महिला यात्री के संबंध में दो वर्ष की छूट दी गई है तथा आयकरदाता नही है, वे अपने आवेदन संबंधित तहसील कार्यालय में जमा करा सकते हैं।

युवा उत्सव कार्यक्रम 28 अक्टूबर 2026 को

अशोकनगर। संचालनालय खेल और युवा कल्याण विभाग के निर्देशानुसार 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं की प्रतिभा को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से जिला स्तरीय सांस्कृतिक युवा उत्सव-2026 का आयोजन किया जा रहा है। जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन दिनाक 28 अक्टूबर 2026 को रघुवंशी धर्मशाला वायपास रोड अशोकनगर में किया जावेगा। खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी द्वारा जानकारी दी गई कि, जिला स्तर पर यह आयोजन 05 विधाओं 1. समूह लोकनृत्य, 5. समूह लोकगीत, 3. पेंटिंग 4. कविता लेखन, एवं 5. नुक्कड नाटक की विद्याओं में संचालनालय से प्रदत्त गाईड लाईन अनुसार किया जाना है। वह युवा जिनकी आयु 15 से 29 वर्ष (17 अगस्त 2026 की स्थिति में) हो इस आयोजन में सहभागिता कर सकते हैं इस हेतु आवेदक को माय भारत पोर्टल उलईतंजण्हवअण्पद पर ऑनलाईन पंजीयन एवं ऑफलाईन आवेदन पत्र में जन्म प्रमाण पत्र/10 वीं अंकसूची, आधार कार्ड, 01 पासपोर्ट फोटो आदि संलग्न कर आयोजन से पूर्व कार्यालय में जमा कराकर भाग ले सकेंगे। संस्था को अपने प्रतिभागियों की सूची समस्त आवेदनों एवं आवश्यक दस्तावेजों सहित कार्यालय खेल एवं युवा कल्याण विभाग में आयोजन से पूर्व जमा कराना आवश्यक होगी। एक प्रतिभागी केवल 01 विद्या में भाग ले सकते हैं जिला स्तर पर विजेता प्रतिभागियों को संभाग और संभाग पर विजेता प्रतिभागियों को राज्य स्तर पर प्रतिभागिता हेतु भेजा जाएग।

यहां प्रतिदिन की जाती है पूजा, विजयादशमी पर भी पहुंचते हैं बड़ी संख्या में श्रद्धालु

चंदेरी में लंकाधिपति रावण का दुर्लभ मंदिर, राम-लक्ष्मण व हनुमान जी शिवजी की पूजा करते हुए हैं विराजमान

हरिभूमि न्यूज ⏭ अशोकनगर



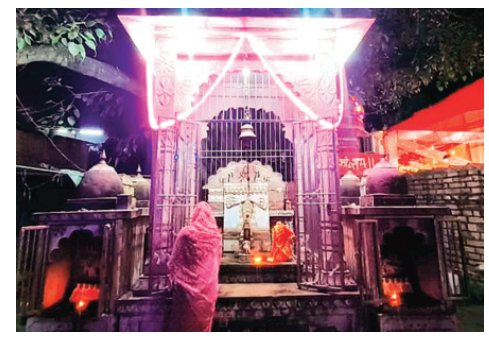

जिला मुख्यालय से 65 किलोमीटर दूर चंदेरी मुख्यालय पर वैसे तो दशहरा पर्व मनाया जाता है लेकिन दशहरा पर्व मनाने के दौरान एक ओर रावण का दहन किया जाता है तो दूसरी ओर रावण की पूजा भी की जाती है। चंदेरी में लंकाधिपति रावण का मंदिर भी यहां पुजारी द्वारा पूजा की जाती है और दशहरा पर्व पर रावण को पूजा जाता है। इस मंदिर में रावण के दस सिर दिखाए दे रहे हैं, इस अनूठे मंदिर का निर्माण चंदेरी के सेवानिवृत शिक्षक पंडित वीरेन्द्र नारायण मिश्रा ने कराया है, यह मंदिर उनकी जमीन पर ही बनाया गया है। मंदिर की विशेषताओं में यह है कि मुख्य भाग में रावण की भव्य प्रतिमा है, मंदिर परिसर में रामसेतु के निर्माण से पहले भगवान राम लक्ष्मण और हनुमान जी द्वारा शिव की पूजा करने का चित्रण भी इन मूर्तियों के माध्यम से दिखाया गया है।

लंकाधिपति रावण के मंदिर वैसे तो कहीं देखने नहीं मिलते लेकिन चंदेरी में उनका मंदिर है, यह 5 साल पहले ही बना है, तब से ही रावण की यहां पूजा की जाती है। रावण को महाज्ञानी माना जाता है इसीलिए दशहरा पर्व पर पुतलों का दहन होने से पहले रावण के पुतले को पूजा जाता है, चंदेरी में स्थायी रूप से रावण का मंदिर है।

यहाँ लंकापति रावण का भव्य मंदिर तो है ही, साथ ही भगवान राम, लक्ष्मण और हनुमानजी द्वारा राम सेतु निर्माण से पहले भगवान शिव की पूजा-अर्चना करते हुए बेहद दुर्लभ दृश्य की प्रतिमाएँ भी स्थापित हैं। विजयदशमी के पावन पर्व पर इस मंदिर की महत्ता और भी बढ़ जाती है, क्योंकि यहाँ रावण दहन की परंपरा के विपरीत विशेष रूप से रावण की पूजा-अर्चना की जाती है।

बेटे की याद और पेंशन के पैसों से खड़ा किया भव्य मंदिर

इस अनूठे मंदिर का निर्माण चंदेरी के 84 वर्षीय सेवानिवृत्त शिक्षक पं. वीरेंद्र नारायण मिश्रा ने कराया है। उन्होंने शहर के मुख्य मार्ग स्थित दिल्ली दरवाजा चैराहे पर अपनी खुद की जमीन पर इस भव्य मंदिर को बनवाया है। शिक्षक वीरेंद्र नारायण मिश्रा बताते हैं कि उन्होंने अपने बेटे की याद में साल 2001 में इस मंदिर की नींव रखी थी। इस मंदिर को बनवाने में उनकी जीवनभर की कमाई और पेंशन के तौर पर मिलने वाली राशि खर्च हो गई, जिस पर अब तक लगभग 1 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं। पूरी तरह पत्थरों से निर्मित यह मंदिर अपनी बेहतरीन नक्काशी और भव्यता के कारण शहर के बीचों-बीच एक प्रमुख दर्शनीय स्थल बन गया है।

मंदिर की प्रमुख विशेषताएँ। दशिसंयुक्त रावण प्रतिमा, मंदिर के मुख्य भाग में रावण की भव्य प्रतिमा स्थापित है, जिसके 10 सिर सुसज्जित हैं। कल विजयदशमी के दिन पं. वीरेंद्र नारायण मिश्रा इसी रावण की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करेंगे।

सभी वर्गों की है गहरी आस्था

पं. वीरेंद्र नारायण मिश्रा का यह मंदिर किसी एक संप्रदाय या वर्ग तक सीमित नहीं है, बल्कि यहाँ सभी वर्ग के लोगों की गहरी आस्था जुड़ी हुई है। शहरवासी और दूर-दूर से आने वाले पर्यटक इस मंदिर की अनूठी परिकल्पना और इसके पीछे के भाव को देखने जरूर पहुँचते हैं। विजयदशमी के इस खास मौके पर जहाँ पूरे देश में असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक रावण दहन किया जाएगा, वहीं चंदेरी का यह मंदिर रावण के ज्ञानी स्वरूप और ऐतिहासिक प्रसंगों की एक अलग ही दास्तां बयां करता नजर आएगा।

मुंगावली में दशहरा पर्व पर नहीं होता रावण का दहन

जिले में मुंगावली कस्बे में विजयादशमी का पर्व तो शुभकामनाएं देकर मनाया जाता है लेकिन यहां रावण के पुतलों का दहन नहीं होता, यहां इस तरह की कोई स्थायी परंपरा नहीं है। मुंगावली एक ऐसा जिले में कस्बा है जहां इस तरह का आयोजन विजयदशमी पर देखने नहीं मिलता।

दादा परदादा के समय से विजयादशमी पर होती थी घोड़े की पूजा

जिले के मलावनी गांव के पूर्व सरपंच सुरेन्द्र सिंह रघुवंशी ने बताया कि उनके घर पर दादा परदादा के समय से घोड़े की पूजा विजयादशमी पर की जाती थी, उन्होंने भी लगातार पूजा की है। लेकिन अब घोड़ा घरों पर नहीं रहे जिसके कारण यह प्रथा बंद हो गई है। उन्होंने बताया कि घोड़े की पूजा इसलिए करते थे क्योंकि घोड़ा राज चिन्हों में आता है। जिस तरह राजशाही घरानों द्वारा शस्त्रों की पूजा की जाती है, उसी तरह घोड़ों की पूजा भी उनके यहां होती रही है।

मुस्लिम परिवार पहले खुद ही पैसे लगाकर पुतला बनाते थे

ईसागढ़ में एक ऐसा परिवार है जो 100 वर्षों से रावण के पुतलों का निर्माण कर रहा है, यह मुस्लिम परिवार है। पहले यह खुद ही पैसा लगाते थे, लेकिन जब से ईसागढ नगरपरिषद का गठन हुआ है, तब से नगरपरिषद कराने में लगी है। स्थानीय निवासी नन्हे खां पुत्र हसन खां पिछले 21 वर्षों से लगातार रावण का पुतला बना रहे हैं। नन्हे खां ने बताया कि उनसे पहले उनके चाचा सहादत खां करीब 30 वर्षों तक रावण बनाते रहे। वहीं, उससे पहले उनके दादा मेहताव खां करीब 50 वर्षों तक रावण का पुतला बनाते थे। इस तरह उनके परिवार में करीब एक सदी से रावण बनाने की परंपरा लगातार चली आ रही है। पीढ़ियां बदलीं, लेकिन परंपरा नहीं बदली। इस बार भी इसी परिवार के हाथों तैयार 31 फीट का रावण विजयादशमी पर बुराई के प्रतीक के रूप में दहन किया जाएगा। नगर परिषद अध्यक्ष शिवेन्द्र यादव ने बताया कि इस वर्ष भी ईसागढ़ में 31 फुट ऊंचे रावण का दहन किया जाएगा। भगवान श्रीराम की आकर्षक झांकी निकाली जाएगी।

श्रद्धालुओं ने किया कन्या पूजन व भोज

पिपरई में नवमी पर मां खेड़ापतन मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब

नौ दिनों तक भजन-पूजन से भक्तिमय रहा वातावरण



पिपरई। नगर में शारदीय नवरात्रि का पर्व श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। नवरात्रि के अंतिम दिन नवमी के पावन अवसर पर नगर के बीचों-बीच स्थित मां खेड़ापतन मातामढ़ मंदिर में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से ही मंदिर में दर्शन-पूजन के लिए श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। नगरवासियों ने मां के दरबार में पहुंचकर पूजा-अर्चना की और परिवार की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

नवरात्रि के प्रथम दिन से ही मां खेड़ापतन मंदिर में धार्मिक उत्साह का माहौल बना हुआ था। नौ दिनों तक महिलाओं सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंचकर भजन-कीर्तन, पूजन और आराधना में भाग लिया। पूरे नौ दिनों तक मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा। मां के जयकारों और भक्ति गीतों से वातावरण गुंजायमान होता रहा।

श्रद्धा और भक्ति से सराबोर रहा नगर

नवरात्रि के नौ दिनों तक चले धार्मिक आयोजनों का समापन नवमी पर विशेष पूजा-अर्चना और कन्या पूजन के साथ हुआ। मां खेड़ापतन मातामढ़ मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ ने नगर की धार्मिक आस्था और परंपराओं के प्रति लोगों की गहरी श्रद्धा को प्रदर्शित किया।

नवमी पर हुआ कन्या पूजन और भोज

नवमी के पावन अवसर पर श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से मां दुर्गा की पूजा-अर्चना की। इसके साथ ही नगर के अनेक श्रद्धालुओं ने अपनी श्रद्धा के अनुसार कन्याओं का पूजन किया तथा उन्हें भोजन कराकर आशीवांद प्राप्त किया। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार नवरात्रि में कन्या पूजन का विशेष महत्व है। इसी परंपरा का निर्वहन करते हुए भक्तों ने कन्याओं को देवी स्वरूप मानकर उनका सम्मान किया। मंदिर परिसर में दिनभर श्रद्धालुओं की चहल-पहल बनी रही। हर ओर भक्ति, श्रद्धा और उल्लास का वातावरण दिखाई दिया। महिलाओं और पुरुषों ने मां के दर्शन कर सुख, शांति, समृद्धि तथा परिवार की मंगलकामना की।

सरस्वती शिशु मंदिर आरोन में भव्य कन्या पूजन एवं कन्या भोज का आयोजन

आरोन । सरस्वती शिशु मंदिर, अशोकनगर रोड आरोन में शनिवार को शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर भव्य कन्या पूजन, महाआरती एवं कन्या भोज का आयोजन किया गया।कार्यक्रम की शुरुआत वंदना के स्थाई विद्यालय प्रांगण में माँ दुर्गा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना एवं महाआरती हुई। विद्यालय के आचार्य परिवार एवं अतिथियों द्वारा कन्याओं का पूजन किया गया। कन्याओं के पैर धोकर, तिलक लगाकर, चुनरी ओढ़ाकर एवं उपहार भेंट कर उनका सम्मान किया गया।इसके पश्चात सभी भैया /बहिनों का भोजन प्रसाद वितरित किया गया। विद्यालय के बच्चों द्वारा माँ दुर्गा के भजन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।कार्यक्रम में समिति अध्यक्ष भगवान शर्मा , सदस्य आशीष रघुवंशी ,मोहन सिंह रघुवंशी ,संजीव साहू , सागर सिंह रघुवंशी विद्यालय प्राचार्य मधुसूदन पंथी एवं समस्त आचार्य परिवार,अभिभावकगण उपस्थित रहे।विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि सरस्वती शिशु मंदिर में प्रत्येक वर्ष नवरात्रि पर कन्या पूजन का आयोजन किया जाता है।

70 लीटर हाथ भट्टी शराब के साथ आरोपी को दबोचा

हरिभूमि न्यूज ⏭ अशोकनगर



अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंतर सिंह कनेश एवं एसडीओपी मुंगावली ओमप्रकाश मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना पिपरई पुलिस द्वारा अवैध शराब के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 70 लीटर हाथ भट्टी की कच्ची शराब एवं मोटरसाइकिल सहित एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

18 अक्टूबर को रात्रि गश्त के दौरान थाना पिपरई पुलिस को राधाकृष्ण मंदिर के पास विश्वसनीय मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम मारोन निवासी गजराम अहिरवार काले रंग की प्लेटिना मोटरसाइकिल पर दो नीले रंग की कैनों में अवैध हाथ भट्टी की कच्ची शराब भरकर ग्राम सिलावन की ओर से केशोपुर की तरफ बिक्री हेतु ले जा रहा है। सूचना की तस्दीक एवं कार्रवाई हेतु पुलिस टीम द्वारा तत्काल ग्राम सिलावन रोड़ स्थित केशोपुर पुलिया के पास नाकाबंदी की गई। कुछ समय पश्चात मुखबिर द्वारा बताए गए हुलिए के अनुसार एक मोटरसाइकिल आती दिखाई दी, जिसे पुलिस टीम एवं साक्षियों की सहायता से रोका एवं उसकी तलाशी ली गई।

तलाशी के दौरान मोटरसाइकिल के दोनों ओर सफेद तौलिया से बंधी दो नीले रंग की प्लास्टिक कैन मिलीं। जांच करने पर दोनों कैनों में हाथ भट्टी से निर्मित कच्ची शराब होना पाया गया। पुलिस द्वारा दोनों कैनों से कुल 70 लीटर अवैध कच्ची शराब, अनुमानित कीमत 10,500 तथा काले रंग की प्लेटिना मोटरसाइकिल जप्त की गई। आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 261/26, धारा 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया तथा आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष जेआर पर पेश किया गया।

निर्माण तो व्यक्ति ने कई बार किया है लेकिन निर्वाण को प्राप्त नहीं हो पायाः मुनिश्री



हरिभूमि न्यूज ⏭ अशोकनगर

मुनि श्री निरंजन सागर जी महाराज ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज प्रत्येक व्यक्ति किसी न किसी प्रकार से कुछ न कुछ निर्माण कर ही रहा है और इस निर्माण के लिये वह अपनी श्रेष्ठतम उपलब्धि मान रहा है। बल्कि ऐसा और इस प्रकार या इससे भी अच्छा निर्माण तो उसने कई बार किया है। परन्तु निर्वाण नहीं हो पाया है और बगैर मान से रहित हुये कोई भी अपना निर्वाण नहीं कर सकता है।

उन्होंने कहा कि मृत्यु और निर्वाण में अन्तर होता है। मृत्यु उसे कहते है जिसके बाद जन्म धारण करना पड़े और निर्वाण उसे कहते है जिसके होने पर फिर जन्म धारण न करना पड़े। आचार्य ने जन्म, जरा और मृत्यु को सबसे बड़ा रोग कहा है। इस रोग से मुक्ति मात्र निर्वाण से ही सम्भव है। प्रभु शीतलनाथ ने इस संसार को तल अर्थात सार को समझ लिया था और इस संसार के सार में प्रभु को कुछ भी सार न दिखा। इसलिये आज ही के दिन प्रभु ने सिद्धक्षेत्र सम्मेद शिखर जी से निर्वाण को प्राप्त किया। आचार्य समन्तभद्र स्वामी ने स्वयंभू स्तोत्र में लिखा है जो शीतलता आपके वचनों में है वह शीतलता जगत के किसी भी पदार्थ में नहीं है। आपके वचनों के माध्यम से संसारी प्राणी विषय सुख से संतप्त अग्नि को ज्ञानामृत जल के द्वारा शान्त करता है।

नवरात्र महोत्सवः श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर में 9 कन्याओं का पूजन किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ अशोकनगर



यादव कॉलोनी स्थित श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर पर श्रद्धालुओं द्वारा पुजारी किशन लाल मिश्रा के सानिध्य में नवरात्र महोत्सव के चलते नवम दिवस के अवसर पर नौ कन्याओं का विशेष पूजन किया गया। उनके पैर धुलवाए और उनको चंदन तिलक किया एवं चुनरी भेंट करके आशीर्वाद लिया, गुरु ब्राह्मण को भी साल श्रीफल और माल्यार्पण करके चरण छूकर आशीर्वाद लिया। मार्कंडेय पुराण के अनुसार उन्होंने दुर्गा सप्तशती के कवच अर्गला कीलक एवं देवी सूक्त का पाठ किया श्री सूक्त से पूजन करवाया गया उन्होंने बताया कि नवदुर्गा में मां सिद्धिदात्री अंतिम हैं अन्य आठ दुर्गों की पूजा उपासना का शास्त्रीय विधि विधान के अनुसार पूजन करते हुए भक्त दुर्गा पूजा के नवे दिन इनकी उपासना में लीन हो जाते हैं।

पूर्ण उपासना कर लेने के बाद भक्तों और साधकों को लौकिक और पर लोकिक सभी प्रकार की कामनाओं की पूर्ति हो जाती है मा सिद्धीदात्री चारभुजा वाली है इनका वाहन सिंह है नवरात्रि में नवें दिन इनकी उपासना की जाती है इस दिन शास्त्रीय विधि विधान और पूर्ण निष्ठा के साथ साधना करने वाले साधक को सभी सिधियो की प्राप्ति हो जाती है सृष्टि में कुछ भी उसके लिए शेष नहीं रह जाता ब्रह्मांड पर विजय प्राप्त करने की सामर्थ उसमें आ जाती है।

लक्ष्मण-मेघनाद युद्ध और संजीवनी प्रसंग का भी हुआ मंचन

रामलीला में अंगद-रावण संवाद का हुआ मंचन

हरिभूमि न्यूज ⏭ अशोकनगर

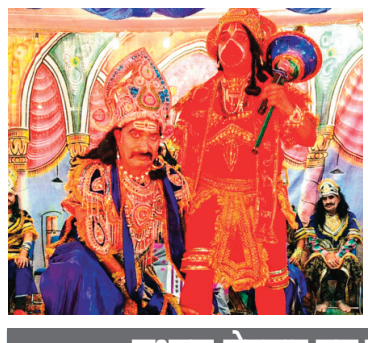

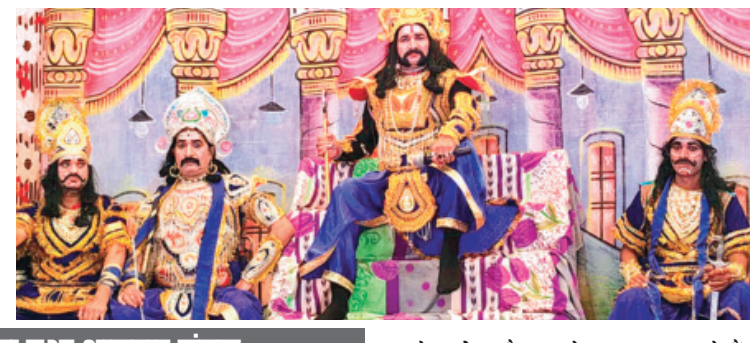

स्थानीय सुभाषगंज स्थित रामलीला मंच पर श्री गया प्रसाद कलाकार मंडल द्वारा आयोजित रामलीला के 13वें दिन की लीला का मंचन रात्रि 9 बजे प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ रामायण, भगवान गणेश,भगवान श्रीराम-लक्ष्मण एवं हनुमान जी की आरती के साथ हुआ। आरती रामकिसन साहू, मुकेश साहू एवं उनके साथियों द्वारा की गई।

अंगद-रावण संवाद ने दर्शकों में भरा उत्साह

लीला के प्रथम दृश्य में भगवान श्रीराम जामवंत की सलाह पर अंगद को दूत बनाकर रावण के पास भेजते हैं। अंगद राम नाम का जयकारा लगाते हुए लंका पहुंचते हैं और रावण को माता सीता को सम्मानपूर्वक लौटाने तथा भगवान श्रीराम की शरण में आने की सलाह देते हैं, लेकिन अहंकार में डूबा रावण उनकी बात मानने से इनकार कर देता है। इसके बाद अंगद रावण की सभा में अपना पैर जमा देते हैं और चुनौती देते हैं कि यदि उसकी सेना का कोई भी योद्धा उनका पैर हिला दे,तो श्रीराम की सेना सीता माता को हारकर वापस लौट जाएगी। रावण की सभा में उपस्थित अनेक योद्धा पैर उठाने का प्रयास करते हैं, लेकिन कोई सफल नहीं होता। अंत में स्वयं रावण आगे बढ़ता है, तब अंगद उसे समझाते हैं कि उनके पैर पकड़ने के बजाय भगवान श्रीराम के चरणों में झुकने से उसका कल्याण हो सकता है।

अंगद-रावण संवाद के दौरान कलाकारों के प्रभावशाली अभिनय और जोशीले संवादों ने दर्शकों को खूब आकर्षित किया। इसके बाद अंगद वापस भगवान श्रीराम के पास पहुंचकर रावण के हठ की जानकारी देते हैं। भगवान श्रीराम युद्ध की तैयारी का आदेश देते हैं और वानर-भालू सेना जयकारे लगाते हुए लंका की ओर प्रस्थान करती है।

लक्ष्मण-मेघनाद युद्ध का हुआ शानदार मंचन

अगले दृश्य में लक्ष्मण और मेघनाद के बीच भीषण युद्ध का मंचन किया गया। युद्ध के दौरान मेघनाद द्वारा शक्ति प्रहार किए जाने से लक्ष्मण जी मूर्छित हो जाते हैं। लक्ष्मण जी को मूर्छित देखकर भगवान श्रीराम व्याकुल हो उठते हैं और उन्हें गोद में लेकर विलाप करते हैं। इस भावुक दृश्य ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। इसके बाद विभीषण की सलाह पर हनुमान जी लंका से वैद्य सुषेण को लेकर आते हैं। वैद्य सुषेण लक्ष्मण जी की स्थिति देखकर बताते हैं कि हिमालय से संजीवनी बूटी लाने पर ही उनके प्राण बचाए जा सकते हैं। वे यह भी बताते हैं कि बूटी रात समाप्त होने से पहले लानी होगी। भगवान श्रीराम की आज्ञा लेकर हनुमान जी संजीवनी बूटी की तलाश में निकल पड़ते हैं। रास्ते में रावण द्वारा भेजे गए कालनेमि से उनका सामना होता है। कालनेमि के षड्यंत्र को विफल करते हुए हनुमान जी हिमालय पहुंचते हैं। वहां अनेक जड़ी-बूटियों के बीच संजीवनी बूटी की पहचान न कर पाने पर वे पूरा पर्वत ही अपने हाथों में उठा लेते हैं और आकाश मार्ग से वापस लौटते हैं। हनुमान जी के पर्वत लेकर उड़ने का दृश्य रामलीला का विशेष आकर्षण रहा। उनके लौटने पर वैद्य सुषेण संजीवनी बूटी से लक्ष्मण जी का उपचार करते हैं। लक्ष्मण जी के पुनः चेतना में आने पर भगवान श्रीराम उन्हें गले लगा लेते हैं। इस भावपूर्ण दृश्य के साथ उस दिन की लीला को विराम दिया गया। रामलीला के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं दर्शक उपस्थित रहे। दर्शकों ने देर रात तक भगवान श्रीराम की लीलाओं, कलाकारों के प्रभावशाली अभिनय, भावपूर्ण संवादों और भक्तिमय संगीत का आनंद लिया।

नगर भ्रमण कर झांकी पंडालों में पहुंचे गौ रक्षक टीम एवं माता रानी के भक्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ ईसागढ़



नगर में नवरात्रि के पावन अवसर पर धार्मिक आस्था, श्रद्धा और भक्ति का माहौल देखने को मिला। इसी क्रम में गौ रक्षक टीम एवं माता रानी के भक्तों द्वारा नगर भ्रमण किया गया। इस दौरान नगर के विभिन्न स्थानों पर सजाए गए झांकी पंडालों में पहुंचकर समिति के सदस्यों ने माता रानी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की तथा चुनरी अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

नगर भ्रमण के दौरान गौ रक्षक टीम के सदस्यों एवं माता रानी के भक्तों ने नगर के अलग-अलग क्षेत्रों में स्थापित झांकी पंडालों में पहुंचकर माता रानी के दर्शन किए। प्रत्येक पंडाल में श्रद्धापूर्वक पूजन-अर्चन कर चुनरी चढ़ाई गई। श्रद्धालुओं ने माता रानी से नगर में सुख-समृद्धि, शांति, खुशहाली और सभी नागरिकों के कल्याण की कामना की।

धार्मिक आस्था और सामाजिक एकता का दिया संदेश

इस आयोजन के माध्यम से गौ रक्षक टीम एवं माता रानी के भक्तों ने धार्मिक परंपराओं के प्रति अपनी आस्था प्रकट की। नगर भ्रमण के दौरान विभिन्न झांकी पंडालों में पहुंचकर पूजा-अर्चना करना धार्मिक एकता और आपसी सद्भाव का प्रतीक रहा। नगर भ्रमण एवं पूजा-अर्चना के दौरान गौ रक्षक टीम और माता रानी के भक्तों में राहुल शर्मा, अंकित राठौर, दीपक जाट, अमन, कुलदीप, नीरज, विकास, अर्जुन और अंकित सहित अन्य सदस्य शामिल रहे। सभी ने नगर के विभिन्न झांकी पंडालों में पहुंचकर माता रानी के दर्शन किए तथा विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर चुनरी चढ़ाई।